



॥ इन्द्र देव पूजा विधि ॥

इन्द्र देव पूजा, जो कोई नर करे  
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल  
बनावे

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ इन्द्र देव पूजा विधि ॥

इन्द्र देव वर्षा, समृद्धि, शक्ति और देवताओं के राजा माने जाते हैं। इनकी पूजा करने से सुख-समृद्धि, कृषि में लाभ, वर्षा कृपा तथा जीवन में उन्नति प्राप्त होती है।

### पूजा का शुभ समय

गुरुवार या रविवार शुभ माना जाता है।  
प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।  
विशेष रूप से वर्षा ऋतु या इन्द्र एकादशी पर पूजा उत्तम मानी जाती है।

### पूजा सामग्री

स्वच्छ चौकी और पीला/सफेद वस्त्र  
इन्द्र देव की प्रतिमा या चित्र  
अक्षत (चावल), रोली, चंदन  
पीले पुष्प  
धूप, दीप  
नैवेद्य (फल, मिठाई)  
जल से भरा कलश  
घी का दीपक  
तुलसी या सुगंधित पुष्पमाला

### पूजा विधि

1. संकल्प लें  
पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें और हाथ में जल, अक्षत व पुष्प लेकर संकल्प करें:

“मैं श्रद्धा और भक्ति से इन्द्र देव की पूजा कर रहा/रही हूँ, कृपया मेरी मनोकामनाएँ पूर्ण करें।”

## 2. गणेश वंदना

सबसे पहले श्री गणेश का स्मरण करें:  
ॐ गं गणपतये नमः॥

## 3. इन्द्र देव का ध्यान

इन्द्र देव का ध्यान करें:  
ॐ इन्द्राय नमः॥

## 4. आवाहन और पूजन

चंदन, अक्षत और पुष्प अर्पित करें।  
धूप और दीप जलाएँ।  
नैवेद्य अर्पित करें।  
जल अर्पण करें।

मुख्य मंत्र  
ॐ देवराजाय विद्महे  
वज्रहस्ताय धीमहि।  
तन्नो इन्द्रः प्रचोदयात्॥  
या सरल मंत्रः  
ॐ इन्द्राय नमः॥

## आरती

पूजा के अंत में इन्द्र देव की आरती करें और परिवार सहित प्रसाद  
ग्रहण करें।  
पूजा के लाभ  
वर्षा और कृषि में लाभ  
धन-धान्य की वृद्धि  
मान-सम्मान और प्रतिष्ठा

भय और बाधाओं का नाश  
घर में सुख-समृद्धि

### विशेष सावधानियाँ

पूजा में स्वच्छता और सात्विकता रखें।  
क्रोध, झूठ और अपशब्दों से बचें।  
पूजा के दिन मांस-मदिरा का सेवन न करें।

